सफ़लता की कहानियां

राजस्थान स्कूल नेतृत्व अकादमी, (आरएसएलए), जयपुर

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट), राजस्थान

संस्कार और संसाधन का समन्वय

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चैनपुरा, जिला टोंक जिसकी स्थापना वर्ष 1944 में हुई थी और जो निवाई उपखण्ड का सबसे बड़ा पीईईओ विद्यालय है, एक समय संसाधनों की कमी, अव्यवस्था और अनुशासनहीनता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था। जब प्रधानाध्यापिका श्रीमती मीनाक्षी गोणावत ने विद्यालय का कार्यभार संभाला, तब विद्यालय आपसी मतभेदों से ग्रस्त था। कार्यग्रहण के महज तीन दिन बाद हुई तालाबंदी की घटना ने स्थिति की जटिलता को उजागर कर दिया, लेकिन मीनाक्षी जी ने हार मानने के बजाय दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विद्यालय परिवर्तन का संकल्प लिया।

उन्होंने सबसे पहले अनुशासन और संस्कारों की नींव मजबूत की। प्रतिदिन संगीतमय प्रार्थना सभा की शुरुआत की गई, जिसमें गायत्री मंत्र, बोध कथाएँ और प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास किया गया। प्रत्येक सप्ताह स्वच्छता अभियान और श्रमदान के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को विद्यालय से भावनात्मक रूप से जोड़ा गया। धीरे-धीरे विद्यालय में परिवर्तन स्पष्ट दिखने लगा। शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के सहयोग से तीन नए कक्षा-कक्षों का निर्माण हुआ तथा पाँच कक्षों का नवीनीकरण किया गया। एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय कक्ष की स्थापना की गई, जिसमें रीडिंग कॉर्नर विकसित हुआ और बच्चे नियमित रूप से बाल साहित्य पढ़ने लगे। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लास और सीसीटीवी प्रणाली लागू की गई, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता और अनुशासन दोनों में सुधार हुआ। भौतिक सुविधाओं के अंतर्गत सीसी रोड, आरओ एवं वाटर कूलर, नए शौचालय, खेल मैदान का समतलीकरण और मंच निर्माण जैसे कार्य किए गए। साथ ही वृक्षारोपण और ग्रीन कैंपस गतिविधियों ने विद्यालय को पर्यावरणीय दृष्टि से भी समृद्ध बनायाआज यह विद्यालय अनुशासन, शैक्षिक गुणवत्ता, सामुदायिक सहभागिता और सशक्त नेतृत्व का प्रेरक उदाहरण बन चुका है, जहाँ बढ़ता नामांकन, बेहतर परिणाम और सकारात्मक वातावरण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जैसा कि मीनाक्षी जी कहती हैं "मंज़िल की बात अभी मत कर, मुसाफ़िर अभी तो सफ़र शुरू ही किया है... रास्ता कठिन है, पर हमने खुद को मज़बूत किया है।"